**साप्ताहिक पाठ योजना**

**कक्षा – छठी**

**विषय – हिंदी व्याकरण**

* **सप्ताह – 25/1/2021 से 30/1/2021 तक कालांश-1**
* **उपविषय- विराम चिन्ह**
* **विधा- व्याकरण**

 **अधिगम प्रतिफल –**

* **छात्रों को विराम चिन्ह का शाब्दिक अर्थ समझाना|**
* **छात्रों को विराम चिन्ह की परिभाषा से अवगत कराना |**
* **छात्रों विभिन्न विराम चिन्हों के प्रकारों से अवगत कराना|**
* **छात्रों को विराम चिन्ह का प्रयोग करने में दक्ष बनाना |**
* **छात्रों विराम चिन्ह संबंधी उदाहरण प्रस्तुत करने योग्य बनाना|**

**निर्देशात्मक सहायक सामग्री :-**

[**https://youtu.be/PejBjvmgF0A**](https://youtu.be/PejBjvmgF0A)

[**https://youtu.be/iI1julHS-sQ**](https://youtu.be/iI1julHS-sQ)

 **(पाठ परिवर्धन / प्रस्तावना )**

**विराम का अर्थ है ठहराव, विश्राम, रुकना । लिखते समय विराम को प्रकट करने के लिए लगाये जाने वाले चिन्ह को ही विराम चिन्ह कहते हैं।**

 **उदाहरण : मोहन पढ़ रहा है । (सामान्य सूचना)
उदाहरण : ताजमहल किसने बनवाया ? (प्रश्नवाचक)
उदाहरण : श्याम आया है ! (आश्चर्य का भाव)**

## **विराम चिन्ह के प्रकार**

**विराम चिन्ह के मुख्य रूप निम्न प्रकार से हैं :**

## **अल्प विराम (Comma) [ , ]**

**जहाँ थोड़ी सी देर रुकना पड़े, वहाँ अल्प विराम चिन्ह (Alp Viram) का प्रयोग करते हैं ।**

**उदाहरण : नदी, पहाड़, खेत, हवा
उदाहरण : राम, सीता और लक्ष्मण जंगल गए ।**

## **अर्द्ध विराम (Semicolon) [ ; ]**

**जहाँ अल्प विराम (Alp Viram) की अपेक्षा कुछ अधिक देर तक रुकना पड़े, वहाँ अर्द्ध विराम (Ardh Viram) का प्रयोग करते है ।**

**उदाहरण : सूर्यास्त हो गया; लालिमा का स्थान कालिमा ने ले लिया ।
उदाहरण : सूर्योदय हो गया; चिड़िया चहकने लगी और कमल खिल गए ।**

**पूर्ण विराम (Full Stop) [ । ] वाक्य के समाप्त होने पर पूर्ण विराम चिन्ह (Purn Viram) का प्रयोग करते हैं । उदाहरण : राम घर जाता है ।
उदाहरण : पेड़ से हमें फल प्राप्त होते हैं ।**

## **प्रश्न चिन्ह (Question Mark) [ ? ]**

**प्रश्न चिन्ह (Prashn Chinh) का प्रयोग प्रश्नवाचक वाक्यों के अंत में किया जाता है ।**

**उदाहरण : वह क्या लिख रहा है ?
उदाहरण : ताजमहल किसने बनवाया ?**

## **विस्मयबोधक चिन्ह (Exclamation Mark) [ ! ]**

**यह विस्मयादिबोधक चिन्ह (Vismahadibodhak Chinh) अव्यय शब्द के आगे लगाया जाता है ।**

**उदाहरण : हाय !, आह !, छि !, अरे !, शाबाश !
उदाहरण : हाय ! वह मारा गया ।
उदाहरण : आह ! कितना सुहावना मौसम है ।**

## **निर्देशक चिन्ह (Dash) [ ― ]**

**निर्देशक चिन्ह (Nirdeshak Chinh) का प्रयोग विषय, विवाद, सम्बन्धी, प्रत्येक शीर्षक के आगे, उदाहरण के पश्चात, कथोपकथन के नाम के आगे किया जाता है । इसको रेखा चिन्ह (Rekha Chinh) के नाम से भी जाना जाता है ।**

**उदाहरण : जैसे ― अनार, आम, संतरा ।
उदाहरण : अध्यापक ― तुम जा सकते हो ।**

## **उद्धरण या अवतरण चिन्ह (Inverted Commas) [ " " ]**

**किसी कथन को ज्यों का त्यों उद्धृत करने के लिए उद्धरण या अवतरण चिन्ह (Uddharan or Avtaran Chinh) का प्रयोग करते हैं ।**

**उदाहरण : महा कवि तुलसीदास ने सत्य कहा है ― "पराधीन सपनेहु सुख नाहीं" ।
उदाहरण : भारतेंदु जी ने कहा, "हिंदी, हिन्दू, हिंदुस्तान" ।**

## **योजक चिन्ह (Hyphen) [ - ]**

**योजक चिन्ह (Yojak Chinh) का प्रयोग समस्त पदों के मध्य में किया जाता है ।**

**उदाहरण : सुख-दुःख, लाभ-हानि, दिन-रात, यश-अपयश, तन-मन-धन ।
उदाहरण : देश के दीवानों ने तन-मन-धन से देश की रक्षा के लिए प्रयत्न किया|**

 **मुहावरे-**

****

**अविकारी शब्द**

**जो शब्द लिंग, वचन, कारक, पुरूष और काल के कारण नहीं बदलते, वे अव्यय कहलाते हैं |**

**अव्यय के प्रकार –:**

**1. क्रिया विशेषण**

**2. सम्बन्ध बोधक**

**3. समुच्चय बोधक**

**4. विस्मयादि बोधक**

**1. क्रिया विशेषण :–**

**वे शब्द जो क्रिया की विशेषता प्रकट करें, उन्हें क्रिया-विशेषण कहते हैं |**

**इसके चार भेद हैं**

**i. कालवाचक :- जिससे क्रिया के करने या होने के समय (काल) का ज्ञान हो, वह कालवाचक क्रिया विशेषण कहलाता है |**

**जैसे – परसों मंगलवार हैं, आपको अभी जाना चाहिए, आजकल, कभी, प्रतिदिन, रोज, सुबह, अक्सर, रात को, चार**

**बजे, हर साल आदि।**

**ii. स्थान वाचक :– जिससे क्रिया के होने या करने के स्थान का बोध हो, वह स्थानवाचक क्रिया विशेषण कहलाता है।**

**जैसे– यहाँ, वहाँ, इधर, उधर, नीचे, ऊपर, बाहर, भीतर, आसपास आदि।**

**iii. परिमाणवाचक :– जिन शब्दों से क्रिया के परिमाण या मात्रा से सम्बन्धित विशेषता का पता चलता है। परिमाणवाचक क्रिया विशेषण कहलाते है।**

**जैसे –**

**a) वह दूध बहुत पीता है।**

**b) वह थोड़ा ही चल सकी।**

**c) उतना खाओ जितना पचा सको।**

**iv. रीतिवाचक :– जिससे क्रिया के होने या करने के ढ़ग का पता चले, वे रीतिवाचक क्रिया विशेषण कहलाते है।**

**जैसे –**

**a) शनैः शनैः जाता है।**

**b) सहसा बम फट गया।**

**c) निश्चिय पूर्वक करूँगा।**

**यह भी पढ़े: वर्ण किसे कहते है, स्वर, व्यंजन, भेद**

**2. सम्बन्ध बोधक :–**

**जिस अव्यय शब्द से संज्ञा अथवा सर्वनाम का सम्बन्ध वाक्य के दूसरे शब्दों के साथ प्रकट होता है, उसे सम्बन्ध बोधक अव्यय कहते है।**

**जैसे-**

**i. उसके सामने मत ठहरो।**

**ii. पेड़ के नीचे बैठो**

**से पहले, के भीतर, की ओर, की तरफ, के बिना, के अलावा, के बगैर, के बदले, की जगह, के साथ, के संग, के**

**विपरीत आदि।**

**3. समुच्चय बोधक या योजक :–**

**जो अव्यय दो शब्दों अथवा दो वाक्यों को जोड़ने का कार्य करते हैं उन्हें समुच्चय बोधक अव्यय कहते है।**

**जैसे– और, तथा, एवं, मगर, लेकिन, किन्तु, परन्तु, इसलिए, इस कारण, अतः, क्योंकि, ताकि, या, अथवा, चाहे आदि।**

**4. विस्मयादि बोधक :–**

**जिन अविकारी शब्दों से हर्ष, शोक, आश्चर्य घृणा, दुख, पीड़ा आदि का भाव प्रकट हो उन्हे विस्मयादि बोधक अव्यय कहते हैं |**

**जैसे – ओह!, हे!, वाह!, अरे!, अति सुंदर!, उफ!, हाय!, धिक्कार!, सावधान!, बहत अच्छा!, तौबा-तौबा!, अति सुन्दर आदि ।**

** विराम चिन्ह का झूमर गतिविधि**

 **नीचे दिए गए लिंक को देखकर विराम चिन्हों का झूमर तैयार कीजिए|**

[**https://youtu.be/mEJ\_5UG2QPk**](https://youtu.be/mEJ_5UG2QPk)

 **गृहकार्य मूल्यांकन प्रश्न**

 **निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिन्ह लगाइए|**

1. **वह प्रेशर में ईमानदार और स्वस्थ है**
2. **मेले में लोगों की भीड़ थी**
3. **डॉ एस एस राघव का घर समीप ही है**
4. **समस्त बालक बालिका स्त्री पुरुष एवं बुजुर्ग उपस्थित थे**
5. **लोकमान्य तिलक ने कहा था स्वतंत्रता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है**
6. **वह मितभाषी कम बोलने वाला है**
7. **वाह तुमने बहुत अच्छा भाषण दिया**
8. **तुम्हारे पास कौन कौन आया था**
9. **सेनापति महाराज आपसे कोई मिलना चाहता है**
10. **रामधारी सिंह दिनकर एक महान कवि थे**
11. **अरे भाई तनिक ठहर जाओ**
12. **आज क्या तारीख है**
13. **आप चलिए**
14. **हरिया माई बाप फसल अच्छी होते ही पाई पाई लौटा दूंगा**
15. **वह दूरदर्शी दूर की सोचने वाला है**